

4/10

पत्रावली में दूरी वकील पार्थिव पार्थिव
को अकाउंट लाई गई। बार-बार अकाउंट
लगाते हैं अकाउंट भी वकील पार्थिव
व पार्थिव न्यायालय में एडिटर
पढी होने से अकाउंट पर साक्षि
का अकाउंट एडिटर अकाउंट पेशी में
स्वाभिमत किताब पाव है पत्रावली
~~का~~ फिलाल मुकद होकर नम्बर
ले कर होकर वापिस वापस है

